मंजू बाईसा आया पाँवनिया

तर्ज - दुनिया चले ना श्री राम के बिना

आई कलकत्ता में शुभ घड़ियां,
श्री मंजू बाईसा आया पाँवनिया ।।

बसन्त पंचमी का आया उत्सव,
बाबोसा भगवान का जन्ममहोत्सव...-2
ढोल नगाड़े बाजे शहनाईया,
श्री मंजू बाईसा आया पाँवनिया,
आई कलकत्ता में.....

दुल्हन सी नगरी सजाई है,
राहों में पलके बिछाई है....-2
घर द्वार सजे, बांधे तोरणियाँ,
श्री मंजू बाईसा आया पाँवनिया,
आई कलकत्ता में.....

श्री मंजू बाईसा का करने दीदार,
कबसे खड़े है नर ओर नार....-2
दर्शन को तरस रही है अंखिया,
श्री मंजू बाईसा आया पाँवनिया,
आई कलकत्ता में.....

श्री बाबोसा मंडल की राखी है लाज,
प्राची गाये मंजू बाईसा आया है आज....-2
दिलबर भक्तो में छाई खुशिया,
श्री मंजू बाईसा आया पाँवनिया,
आई कलकत्ता में.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/25898/title/manju-bayisa-aaya-pawaniya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |